



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 299]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 16, 2005/कार्तिक 25, 1927

No. 299]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 16, 2005/KARTIKA 25, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2005

अंतिम जांच परिणाम

विषय:— चीन जनवादी गणराज्य से 1-फिनाइल-3-मिथाइल-5-पाइराजोलोन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

क. पृष्ठभूमि एवं जांच शुरुआत

फा.सं. 14/11/2004-डीजीएडी: जबकि मैसर्स प्राइमा कैमिकल्स एण्ड पॉलिगॉन कैमिकल्स, अहमदाबाद (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) द्वारा दायर एक आवेदन के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) के अनुसार भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित 1 दिसम्बर, 2004 की अधिसूचना के द्वारा उक्त नियमावली के नियम-5 के अनुसार चीन जनवादी, गणराज्य (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 1-फिनाइल-3-मिथाइल-5-पाइराजोलोन (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध माल कहा गया है) के कथित पाटन की जांच शुरु की थी।

ख. प्रक्रिया

2. प्राधिकारी द्वारा उक्त जांच की शुरुआत करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी करने के पश्चात् इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है।

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उपलब्ध कसए गए फलों के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास, निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योगों को जांच शुरुआत करने संबंधी 1 दिसम्बर, 2004 की अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे उक्त अधिसूचना जारी होने के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।

(ii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां प्रदान कीं।

(iii) नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत करने के बारे में सूचना दी गई और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को

प्रश्नावली का जवाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित निर्यातकों को भेजे गए पत्रों तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी संबद्ध देश के दूतावास को भेजी गई।

(iv) नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी द्वारा एक प्रश्नावली भेजी गयी थी :-

1. गोल्डलिक इण्डस्ट्रीज कं० लि०,
17/एफ, 258 झोंग शान रोड,
वुक्शी, चीन
2. दिनोभर्म जिस्टु वुक्शी इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कारपोरेशन,
17/एफ 258 झोंग शान रोड,
वुक्शी, चीन
3. जियांग्सु चांगु कैमिकल्स कं० लि०,
झोंग झिशांग लेयू टाउन,
झांग जियांग सीटी,
सियांग्सु, 215621,
चीन जन. गण.

(v) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देश के किसी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

(vi) भारत में संबद्ध माल के ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गयी थीं जिनमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गयी थी। तथापि, संबद्ध माल के केवल एक आयातक अर्थात् मैसर्स एपेक्स डाइज एण्ड इण्टरमीडिएट्स से सूचना मिली है। आयातक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों पर जिस सीमा तक वे इस मामले में संगत हैं, पर इस जांच परिणाम में विचार किया गया है।

(vii) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एण्ड एस) से भी अनुरोध किया गया कि वह जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें।

(viii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

(ix) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।

(x) प्राधिकारी के समक्ष मौखिक अनुरोध करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान करने के लिए 12 जुलाई, 2005 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की गयी थी। लिखित में पुनः प्रस्तुत

हितबद्ध पक्षकारों के विचारों और तर्कों को लेखबद्ध कर दिया गया है और उन पर उचित कार्रवाई की गयी है ।

(xi) प्राधिकारी ने इस जांच में शामिल सभी हितबद्ध पक्षकारों को 6 अक्टूबर, 2005 को प्रकटन विवरण जारी किया था जिसमें प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन आवश्यक तथ्यों और प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने हेतु प्रस्तावित निर्धारण विधि की सूचना दी गयी है और उक्त प्रकटन पर हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियां मांगी गयी हैं । प्रकटन विवरण पर घरेलू उद्योग की टिप्पणियां जिस सीमा तक वे संगत है, पर इस जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है ।

(xii) जांच 1.4.2003 से 31.3.2004 (जांच अवधि) तक की अवधि में की गयी थी ।

(xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के बारे में उनके गोपनीयता के दावों की जांच की थी । गोपनीय स्वरूप की सूचना अथवा उसके अगोपनीय सार समेत हितबद्ध पक्षकारों को अगोपनीय आधार पर प्रदान की गयी सूचना को गोपनीय माना है । इस अधिसूचना में XXX याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का घोटक है और प्राधिकारी द्वारा उसे नियमानुसार गोपनीय माना गया है ।

ग. विचाराधीन उत्पाद

3. शामिल उत्पाद एक कार्बनिक रसायन अर्थात् 1-फिनाइल-3-मिथाइल-5-पाइराजोलोन (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) है जिसका उपयोग एनल्लिन, सोल्वेन्ट रंजक एवं पिगमेंट रंजक और पिगमेंट ओरेंज 13 का विनिर्माण करने के लिए रंजक और भेषजीय उद्योग में किया जाता है । यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 और उप शीर्ष 29331920 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि, इस उत्पाद का 293319, 291634, 291739, 292429, 293311, 293359, 294200 समेत छः अंकीय स्तर पर अनेक अन्य शीर्ष के अंतर्गत कथित रूप से आयात किया जाता है । तथापि, यह सीमाशुल्क और आईटीसीएचएस वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है ।

घ. समान वस्तु

4. करार के अनुच्छेद 2.6 के अनुसार, 'समान उत्पाद' शब्द की व्याख्या एक ऐसे उत्पाद के रूप में की जाएगी जो हर प्रकार से विचाराधीन उत्पाद के सदृश्य हो अथवा ऐसे उत्पाद के अभाव में दूसरे उत्पाद जो हालांकि सभी प्रकार से सदृश्य नहीं है, में विचाराधीन उत्पाद से मिलती-जुलती विशेषताएं हों । प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा इस विशिष्ट पाइराजोलोन समेत अनेक पाइराजोलोन का विनिर्माण किया जाता है । अतः घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ विशिष्ट पाइराजोलोन को घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है ।

ड. घरेलू उद्योग और आधार

5. आवेदन मैसर्स प्राइमा कैमिकल्स एण्ड पॉलिगन कैमिकल्स, अहमदाबाद द्वारा दायर किया गया है । आवेदकों द्वारा आवेदन दायर करने के आधार की उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार जांच की गयी है

चूँकि इस उत्पाद का अन्य कोई ज्ञात उत्पादक नहीं है जिसके पास संबद्ध माल का पर्याप्त उत्पादन हो और किसी हितबद्ध पक्षकार से कोई टिप्पणियाँ अथवा विरोध प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए प्राधिकारी का यह मानना है कि आवेदकों के पास शामिल उत्पाद के घरेलू उत्पादन का अधिकांश हिस्सा है, नियमावली के नियम 5(3) (क) के अनुसार यह आवेदन दायर करने के लिए घरेलू उद्योग के रूप में आधार के मानदण्ड को पूरा करते हैं।

च. हितबद्ध पक्षकारों के विचार और उठाए गए मुद्दे

6. प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि संबद्ध माल के किसी निर्यातक, आयातक (मैसर्स अपेक्स डाइज एण्ड इण्टरमीडिएट्स को छोड़कर) और प्रयोक्ता ने उक्त जांच शुरू करने के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया है अथवा कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है। मैसर्स अपेक्स डाइज एण्ड इण्टरमीडिएट्स ने एक आयातक प्रश्नावली दायर की है और यह अनुरोध किया है कि वह संबद्ध माल का नियमित उत्पादक नहीं है।

7. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोध में यह तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन विश्व के बहुत कम देशों में किया जाता है। यह भी अनुरोध किया गया है कि उत्पादन की प्रौद्योगिकी भी सहज रूप से उपलब्ध नहीं है। अतः महत्वपूर्ण अप्रयुक्त क्षमता धारकों के लिए यह व्यापारिक चाल है ताकि एकाधिकार प्राप्त करने के लिए तीसरे देश के उत्पादकों को व्यापार से बाहर किया जा सके। उन्होंने यह तर्क दिया है कि इससे चीन से हुए आयातों की कीमतों में नाटकीय गिरावट आयी है। घरेलू उद्योग का यह भी दावा है कि सिनोचेम तियांजिन और अनभुई बाई कैमिकल्स ग्रुप कं० लि० की वेबसाइटों से एकत्र की गयी उनकी सूचना के अनुसार चीन के ये उत्पादक राज्य के नियंत्रणाधीन हैं। अतः आवेदक ने यह तर्क दिया था कि उन्हें गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अंतर्गत कार्य करने वाला माना जाय और चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले कम्पनियों से संबंधित प्रावधानों के अनुसार किए जाने की जरूरत है।

8. प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणामों के लिए घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों के उपर्युक्त निवेदनों पर विचार किया है।

छ. पाटन का निर्धारण

क). सामान्य मूल्य

9. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के किसी भी निर्यातक से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ है। किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी अनुमान का संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक द्वारा खंडन नहीं किया गया है। इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध वस्तु को चीनी उत्पादक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत प्रचालन करते हैं और प्राधिकारी चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का परिकलन नियमावली के अनुबंध-1 के नियम 7 के अनुसार किया गया है।

10. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर इस कारण नहीं किया जा सकता कि प्रासंगिक

सूचना अर्थात् 'सामान्य वस्तु जब यह ऐसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे वाले देश में उपभोग के लिए हो,' के लिए व्यापार की साधारण प्रक्रिया के दौरान तुलनीय कीमत के साथ इसकी उत्पादन लागत और अन्य सभी संबंधित सूचनाएं विचाराधीन उत्पाद के लिए तर्कसंगत रूप से उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि उत्पाद का विश्व के बहुत ही कम देशों में उत्पादन किया जाता है और उनकी जानकारी के अनुसार भारत और चीन विचाराधीन उत्पाद के एकमात्र उत्पादक हैं। इसलिए, ऐसे तीसरे देशों से भारत को कीमत को इस कारण से नहीं अपनाया जा सका कि ऐसी कीमतें संबद्ध देशों से कीमतों से प्रभावित होती हैं और आयातों की मात्रा भी बहुत कम है। उपर्युक्त के मद्देनजर घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले निर्यातक देश में सामान्य मूल्य का निर्धारण समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से भुगतान की गई या देय कीमत सहित किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर किया जाना चाहिए।

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का आयात भारत को होने वाले कुल आयातों का लगभग 98% है और इसलिए भारत को तीसरे देश की निर्यात कीमत के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कोई तुलनीय कीमत नहीं है। ऊपर उल्लिखित नियम 7 के प्रथम उपबंध के आधार पर निर्धारण करने के लिए किसी तीसरे देश में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और कीमत भी उपलब्ध नहीं है। इसलिए प्राधिकारी ने चीन में सामान्य मूल्य का परिकलन भारत में वास्तविक रूप से भुगतान की गई या देय कीमत जिसको एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन के लिए उक्त उपबंध के अनुसार विधिवत रूप से समायोजित किया गया है, के आधार पर किया है। तदनुसार, चीनी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का अनुमान XXXXX रूपए/किग्रा. के रूप में लगाया गया है।

ख). निर्यात कीमत

12. संबद्ध देश से किसी सहयोग के अभाव में निर्यात कीमत का निर्धारण प्राधिकारी के पास उपलब्ध आयात आंकड़ों के अनुसार सीआईएफ आयात कीमत के आधार पर किया गया है। उपर्युक्त आंकड़ों के आधार पर चीन जन.गण. से निर्यातों की निर्माण स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण XXXXX रूपए/किग्रा० के रूप में किये जाने का प्रस्ताव है। :

ग). पाटन मार्जिन

13. पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए निर्माण स्तर पर निर्मित सामान्य मूल्य की निवल निर्माण स्तर निर्यात कीमत के साथ तुलना की गई है जो निम्नानुसार है :-

रु०/किग्रा०	
निर्मित सामान्य मूल्य	****
निर्यात कीमत	****
पाटन मार्जिन	****
पाटन मार्जिन %	37.46%

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध का निर्धारण

14. चीन से पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति के संबंध में प्राधिकारी के समक्ष निम्नलिखित आवश्यक तथ्य हैं जो प्राधिकारी द्वारा अंतिम निर्धारण का आधार होंगे। प्राधिकारी नोट करते हैं

कि घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई निवेदन नहीं किया गया है।

15. चीन से की पाटन मात्रा एवं सीमा की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, और पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को इस प्रकार हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच की है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक कम्पनियां अर्थात् मै0 प्राईमा केमिकल्स और मै0 पोलिगॉन केमिकल्स ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादन के एक बड़े हिस्से का उत्पादन किया है। इसलिए क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ नियमावली के अर्थ के भीतर आवेदक कम्पनियों को घरेलू उद्योग के रूप में माना गया है।

16. अनुबंध-॥ के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति का निर्धारण करने में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों पर विचार करते हुए " उन कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग की क्षति का संकेत दे सकते हैं, कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में संबद्ध वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को अत्यधिक रूप से कम करना या कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा अत्यधिक सीमा तक हो गई होती।

17. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सूचकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वृत्त, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन इत्यादि पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध ॥ के अनुसार विचार किया गया है।

18. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मानदंडों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसाकि ऊपर दर्शाया गया है, की निम्नानुसार जांच की गई है:-

ज.1 पाटित आयातों के मात्रा संबंधी प्रभाव - आयात मात्राएं एवं बाजार हिस्सा

19. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस बात पर विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है। जहाँ तक आयात मात्रा का संबंध है, डीजीसीआई एंड एस के आयात आंकड़ों के साथ-साथ द्वितीयक स्रोतों अर्थात् आईबीआईएस में बताए गए आंकड़ों की जांच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का आयात उत्पाद वर्गीकरण सं0 293319 के अंतर्गत 6-अंकीय स्तर पर किया जाता है और यही वर्गीकरण कई अन्य पायराजोलोन्स को भी कवर करता है। अतः दोनों स्रोतों के सौदे स्तर के आंकड़ों की तुलना करने और असंबद्ध आयातों की छंटाई करने के पश्चात आयातों की मात्रा का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

(क) आयातों की मात्रा में वास्तविक एवं संभावित वृद्धि

मात्रा किग्रा में

विवरण	2000-2001	2001-2002	2002-2003	जाँच अवधि
चीन से आयात	19850	105000	84903	280061.5
प्रवृत्ति	100	528.97	427.72	1410.89
अन्य स्रोतों से आयात	0	0	14	600
कुल आयात	19850	105000	84917	280661.5
प्रवृत्ति	100	528.97	427.79	1413.91

20. उपर्युक्त आंकड़ों से संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों का भारत में संबद्ध वस्तु के कुल आयात का लगभग 100% हिस्सा बनता है और आयातों में आधार वर्ष की तुलना में 1400% की समग्र रूप से वृद्धि हुई है।

(ख) मांग, उत्पादन और बाजार हिस्सा

i) घरेलू उद्योग का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

विवरण	2000-01	2001-02	2002-03	जाँच अवधि
क्षमता	540000	540000	540000	540000
सूचीबद्ध	100	100	100	100
कुल उत्पादन	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	100	125	100
संयंत्र उपयोग	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	100	125	100
उत्पादन-पीयूसी	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	83	91	74

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उसी संयंत्र में कई पायराजोलोन्स का उत्पादन किया जाता है और इसलिए संयंत्र उपयोग हेतु संयंत्रों के कुल उत्पादन को ध्यान में रखा गया है। उपर्युक्त आंकड़ों से संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता में बढ़ोतरी नहीं हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन और क्षमता उपयोग में वर्ष 2002-2003 में सुधार प्रदर्शित होने के पश्चात अत्यधिक कमी आयी है। लेकिन संबद्ध वस्तु के उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में निरंतर गिरावट हो रही है।

ii) घरेलू उद्योग की बिक्रियां

22. घरेलू उद्योग के उत्पादन की घरेलू बाजार में मांग और घरेलू उद्योग की घरेलू बाजार में बिक्री करने की क्षमता के संदर्भ में जांच की गई है जैसाकि नीचे दर्शाया गया है।

विवरण		2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियां	की	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	82	95	77
आयात		****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	529	428	1414
मांग		****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	112	118	166
घरेलू उद्योग निर्यात बिक्रियां	की	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	153	0	0

23. इन आंकड़ों से संकेत मिलता है कि यद्यपि उत्पाद की मांग में आधार वर्ष की तुलना में 66% की वृद्धि हुई है, तथापि घरेलू उद्योग की बिक्रियों में 23% की कमी आयी है और संबद्ध वस्तु के आयातों (जिनमें से चीन से पाटित आयातों का हिस्सा लगभग 98% है) में लगभग 1400% की वृद्धि हुई है।

iii) मांग और बाजार हिस्सा

विवरण		2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू मांग		****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	112	118	166
पाटित आयात		19850	105000	84903	280062
प्रवृत्ति		100	529	428	1411
पाटित आयातों का हिस्सा	का	100%	100%	99.98%	99.79%
कुल आयातों में आयात	में				
मांग में बाजार हिस्सा (%)					
घरेलू उद्योग		****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	73.41	81.11	46.32
पाटित आयात		****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	471	364	848

उपर्युक्त आंकड़ों से संकेत मिलता है कि पाटित आयातों का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 6.68% से बढ़कर जांच अवधि में 56.69% हो गया है जबकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 93% से अत्यधिक घटकर जांच अवधि में 43% हो गया है।

ज.2 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव**(i) कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव**

25. सम्बद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जाँच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण और कीमत ह्रास के सन्दर्भ में की गयी है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत (घरेलू उद्योग की लागत सूचना का मानीकरण करने के पश्चात्) की तुलना सम्बद्ध देशों से आयातों की पहुँच लागत के साथ की गयी है।

रु०/किग्रा.

विवरण	2000-01	2001-02	2002-03	जाँच अवधि
उत्पादन की लागत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100.00	101.43	108.14	113.96
निवल बिक्री वसूली	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100.00	100.42	100.029	99.35
पहुँच मूल्य	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	112.008	105.2591	83.76
कीमत कटौती				35 से 45%
क्षति रहित कीमत				****
कम कीमत पर बिक्री				35 से 45%

26. हालांकि आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में काफी अधिक वृद्धि प्रदर्शित होती है, तथापि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत (निवल बिक्री प्राप्ति) में मामूली गिरावट का पता चलता है।

27. कीमत कटौती का निर्धारण समूची जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ करते हुए की गयी है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की संगणना तथा संबद्ध देशों से आयात कीमत के डीजीसीआईएस सौदे-वार आंकड़ों में सूचित मूल्य में 1% हैंडलिंग प्रभार तथा लागू सीमा शुल्क जोड़कर की गई है। वर्ष 2001-2002 में संबद्ध देश से आयातों के पहुँच मूल्य में वृद्धि होने के बाद पर्याप्त गिरावट प्रदर्शित होती है।

28. संबद्ध देश से पाटित आयातों की कीमतों की वजह से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हुई है तथा कम कीमत पर बिक्री हुई है तथा यह कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक तथा काफी अधिक है।

(ii) पाटित आयातों का कीमत न्यूनकारी एवं ह्रासकारी प्रभाव

29. पाटित आयातों के कीमत न्यूनकारी प्रभाव की जाँच उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति एवं संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य के संदर्भ में भी की गई है।

30. उपर्युक्त तालिका से यह पता चलता है कि संबद्ध देश से वस्तु के पहुंच मूल्य में आधार वर्ष की तुलना में अत्यधिक गिरावट आई है जबकि आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित होती है। किन्तु बिक्री कीमत में उत्पादन लागत बढ़ने के बावजूद मामूली गिरावट प्रदर्शित होती है। उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों का न्यूनकारी प्रभाव पड़ा है क्योंकि घरेलू उद्योग बढ़ती हुई उत्पादन लागत को समायोजित करने के लिए अपनी कीमत बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है।

ज.3 कीमत संबंधी अन्य मापदण्डों की जाँच

31. घरेलू उद्योग की मात्रा एवं मूल्य पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं बिक्री तथा पूर्ववर्ती खण्ड में विभिन्न प्रखण्डों के बाजार हिस्से के साथ माँग की पद्धति जैसे मुख्य क्षति संकेतकों की जाँच करने के बाद घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी प्रदर्शित करने वाले अन्य आर्थिक मापदण्डों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:-

i) उत्पादकता

विवरण		2000-2001	2001-2002	2002-2003	जाँच अवधि
कर्मचारियों की सं.	संख्या	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	100	94	119
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	83	97	62

32. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि प्रतिकर्मचारी उत्पादकता में गिरावट आई है। तथापि यह गिरावट कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि के कारण भी आई है जबकि संबद्ध वस्तु के उत्पादन में कमी हो रही है।

ii) लाभ एवं नकदी प्रवाह के वास्तविक और संभावित प्रभाव

33. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत की जाँच शामिल उत्पाद के लागत रिकार्डों के आधार पर की थी। बिक्री प्राप्तियों की जाँच भी उनके बिक्री रिकार्डों से की गई थी। तदनुसार, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जाँच निम्नानुसार की गई है:-

रु./किग्रा.

विवरण		2000-01	2001-02	2002-03	जाँच अवधि
उत्पादन लागत		****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	101.43	108.14	113.96
निवल प्राप्ति	बिक्री	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	100.42	100.029	99.35
लाभ/हानि		****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	74.8	-103.1	-266.8

34. उपर्युक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में आधार वर्ष की तुलना में तेजी का रुख रहा है। तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्तियों में मामूली कमी हुई है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के लाभ-मार्जिन में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग ने अपने घरेलू प्रचालन में भारी घाटा उठाया है जो कि चीन जन.गण. से पाटन के समय ही हुआ है।

iii) रोजगार और मजदूरी

विवरण		2000-01	2001-02	2002-03	जाँच अवधि
कर्मचारियों की संख्या (घरेलू उद्योग)	सं.	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	100	94	119
मजदूरी (घरेलू उद्योग)	लाख रूपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	96	92	103

35. क्षति के संकेतक के रूप में रोजगार और मजदूरी यह दर्शाते हैं कि उत्पादन स्तर में गिरावट के बावजूद कर्मचारियों की संख्या तथा वेतन एवं मजदूरी पर हुए व्ययों में वृद्धि हुई है।

iv) निवेश पर आय तथा पूँजी जुटाने की क्षमता

विवरण		2000-01	2001-02	2002-03	जाँच अवधि
पीबीआईटी (घरेलू उद्योग)	लाख रूपए	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	104.97	-0.06	-55.95
लगाई गई पूँजी-एनएफए	लाख रूपए	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	109.93	131.68	115.75
लगाई गई पूँजी पर आय	%	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	95.49	-0.04	-48.34

36. घरेलू उद्योग की लगाई गई पूँजी पर आय से आधार वर्ष की तुलना में उसकी खराब स्थिति प्रदर्शित होती है और लगाई गई पूँजी पर आय जाँच अवधि के दौरान ऋणात्मक हो गई है।

v) निवेश

37. जाँच अवधि के दौरान याचिकाकर्ताओं द्वारा किसी अतिरिक्त क्षमता का सृजन या कोई नया निवेश नहीं किया गया है।

vi) पाटन की मात्रा

38. उस सीमा के संकेतक के रूप में जहाँ तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को प्रभावित कर सकते हैं पाटन की मात्रा यह दर्शाती है कि जाँच के लिए संबद्ध देश के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन कामी अधिक है।

vii) पाटित आयातों से इतर कारक

39. घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकने वाले पाटित आयातों से इतर कारकों जैसे लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा और अन्य स्रोतों की कीमतों के विश्लेषण हेतु जाँच की गई है। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य स्थानापन्न नहीं है और भारत में संबद्ध वस्तु का ऐसा कोई घरेलू उत्पादक नहीं है जिससे घरेलू प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़े और घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हों। ऐसा कोई अन्य कारक प्राधिकारी के समक्ष नहीं लाया गया है जिससे घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हुई हों।

viii) भण्डार सूची

विवरण		2000-01	2001-02	2002-03	जाँच अवधि
भण्डार सूची					
घरेलू उद्योग	किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	0	69	125
बिक्री के % रूप में भण्डार सूची		1.30%		0.95%	2.11%

40. घरेलू उद्योग की भण्डार सूची की स्थिति से भण्डार सूची स्तर पर समग्र और बिक्री के प्रतिशत रूप दोनों प्रकार से मामूली वृद्धि प्रदर्शित होती है।

ज.4 अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

41. संबद्ध देश तथा अन्य पाटन स्रोतों से पाटित आयातों के मात्रात्मक और कीमत प्रभावों की जाँच करने के बाद पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 3.5 के अंतर्गत यथा अधिदेशित ढंग से घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों की यह पता लगाने के लिए जाँच की गई है कि क्या पाटित आयातों के अलावा अन्य कारकों, यदि कोई हो, के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। इस संबंध में निम्नलिखित मापदंडों की जाँच की गई है।

i) अन्य स्रोतों से होने वाले आयातों की मात्रा और कीमतें

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से होने वाले आयातों का हिस्सा भारत को होने वाले संबद्ध वस्तु के कुल आयातों के 98% से अधिक बनता है। अतः संबद्ध देश से इतर स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत का घरेलू उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

ii) माँग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

43. उत्पाद की घरेलू खपत संबंधी आंकड़ों में पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई है। अतः माँग में कमी अथवा खपत संबंधी कारक से घरेलू उद्योग पर कोई प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं थी।

iii) विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं उनके बीच प्रतिस्पर्धा

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तुओं के एकमात्र व्यवहार्य उत्पादक हैं। अतः घरेलू प्रतिस्पर्धा से घरेलू उद्योग की कीमतों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां मौजूद नहीं हैं। संबद्ध वस्तुओं के आयातों का एक बड़ा हिस्सा संबद्ध देश सहित पाटित स्रोतों से किया जाता है। अन्य निर्यातक देशों के पास भारतीय बाजार में पर्याप्त बाजार हिस्सा नहीं है जिससे वे प्रभावशाली तरीके से प्रतिस्पर्धा कर सकें। अतः व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों अथवा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच की प्रतिस्पर्धा को घरेलू उद्योग को वर्तमान में हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

iv) प्रौद्योगिकी का विकास और निर्यात निष्पादन

45. संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में किसी विशिष्ट प्रकार का प्रौद्योगिकीय मुद्दा शामिल नहीं है। जांच अवधि एवं पूर्ववर्ती वर्ष में घरेलू उत्पादकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का कोई निर्यात नहीं किया गया था। अतः घरेलू उद्योग की प्रौद्योगिकी अथवा निर्यात निष्पादन का घरेलू उद्योग के निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

ज.5 क्षति एवं कारणात्मक संबंध के विषय में निष्कर्ष

46. उपर्युक्त कारकों की जांच से यह संकेत मिलता है कि:-

(क) संबद्ध देश के आयातों में कई गुणा वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों के आयातों में वृद्धि की दर, मांग में वृद्धि से काफी अधिक थी, जिसके परिणामस्वरूप पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

(ख) घरेलू उद्योग की बिक्री एवं उत्पादन में गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की क्षति हुई है और इसके कारण वस्तुसूची में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, आयातों के कारण, देश में पर्याप्त मांग और क्षमता मौजूद होते हुए भी याचिकाकर्ता अपनी बिक्रियों में वृद्धि नहीं कर पाए हैं।

(ग) कच्ची सामग्रियों की कीमतों में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट आई है। अत्यधिक कीमत कटौती के कारण, घरेलू उद्योग को अपने उत्पादों की बिक्री इष्टतम से कम कीमत पर करने के लिए बाध्य होना पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप लाभप्रदता, नकद प्रवाह, निवेश पर आय के संदर्भ में प्रतिकूल निष्पादन हुआ है।

(घ) पाटित कीमतों पर न बेचे जाने वाले आयातों की मात्रा एवं नूतन, मांग में कमी, खपत की पद्धतियों में परिवर्तन, विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों एवं उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास, निर्यात निष्पादन आदि जैसे किसी कारक के संबंध में क्षति प्रदर्शित नहीं होती है।

ज.6 क्षति रहित कीमत, क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

47. घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत का निर्धारण मानकीय उत्पादन लागत तथा घरेलू उद्योग हेतु समुचित लाभ को ध्यान में रखकर करने का प्रस्ताव किया गया है और क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु, इस प्रकार निकाली गई क्षति रहित कीमत की तुलना निर्यातों के पहुँच मूल्य से करने का प्रस्ताव किया गया है। संबद्ध देश से निर्यातों की भारत औसत पहुँच कीमत और क्षति मार्जिन का आकलन निम्नानुसार किया गया है :-

रु/किग्रा.

देश	क्षति रहित कीमत	भारत औसत पहुँच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %
चीन जन.गण.	*****	*****	*****	35 से 45%

झ. निष्कर्ष

48. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए निवेदनों तथा इस जांच परिणाम के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए तथ्यों की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:-

- संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का भारतीय बाजार में प्रवेश, निर्यातक देश के घरेलू बाजारों में उनके सामान्य मूल्यों से कम कीमत पर हुआ है;
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव, दोनों से घरेलू उद्योग को क्षति पहुँची है।

ञ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में होता है। पाटनरोधी उपायों के लागू किए जाने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देश से आयातों में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ट. सिफारिशें

50. प्राधिकारी ने दिए गए नियमों के संदर्भ में पाटन, क्षति और पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों के विषय में जांच का प्रारंभ और संचालन किया है और संबद्ध देश के विरुद्ध निश्चित रूप से पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के पश्चात और इस निष्कर्ष पर पहुँचने के पश्चात कि ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है, प्राधिकारी का मानना है कि पाटन को रोकने और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक उपाय लागू किए जाने की आवश्यकता है। तदनुसार, प्राधिकारी ने निम्नानुसार निर्धारित स्वरूप और पद्धति में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की है।

51. प्राधिकारी द्वारा कम शुल्क लगाए जाने संबंधी नियम का पालन किए जाने के संबंध में, प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पाटन और क्षति मार्जिन में से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए। तदनुसार, केन्द्र सरकार को संबद्ध देश के मूल अथवा वहां से निर्यातित सभी संबद्ध उत्पादों के आयात पर संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम-9 में दी गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उपशीर्ष अथवा टैरिफ मद	वस्तु का विवरण	विनिर्दिष्टियां	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)		
1	293319, 291634, 291739, 292429, 293311, 293359, 294200, 980200	1-फेनायल-3 मिथाइल-5 पायराजोलोन	शून्य	चीन जन. गण.	कोई भी	कोई भी	कोई भी	1.218	किग्रा.	अम.डा.
2	-वही-	1-फेनायल-3 मिथाइल-5 पायराजोलोन	शून्य	कोई भी	चीन जन. गण.	कोई भी	कोई भी	1.218	किग्रा.	अम.डा.

ठ. आगे की कार्रवाई

52. अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क उत्पाद और सेवा कर अपीलीय न्यायधिकरण के समक्ष केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध इस आशय की एक अपील प्रस्तुत की जाएगी।

53. प्राधिकारी, इस जांच परिणाम में की गई सिफारिशों के अनुसार, अधिनियम के संगत प्रावधानों और इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक नोटिसों के अनुसार निश्चयात्मक उपायों को जारी रखने, उनमें परिवर्तन करने अथवा उन्हें समाप्त करने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करेंगे। प्राधिकारी द्वारा ऐसी समीक्षा हेतु किसी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि उसे किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा इस प्रयोजनार्थ निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर दायर न किया गया हो।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 16th November, 2005

Final Findings

Subject: **Anti-dumping investigation concerning imports of 1-Phenyl-3-Methyl-5-Pyrazolone from China PR**

A. Background and Initiation

F.NO. 14/11/2004-DGAD: Whereas on the basis of an application filed by M/s Prima Chemicals and Polygon Chemicals, Ahmedabad, (herein after referred to as applicants), the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) initiated an investigation in terms of the Rules 5 of the said Rules, vide notification dated 1st December 2004, published in the Gazette of India, Extraordinary, in accordance with the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules), into alleged dumping of 1-Phenyl-3-Methyl-5-Pyrazolone (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from the Peoples Republic of China (herein after referred to as subject country).

B. Procedure

2. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.

- (i) The Designated Authority sent copies of initiation notifications dated 1st December 2004 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, importers as per the list available, and the domestic industry and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

- (ii) Copies of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry were made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra.
- iii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country, to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassy of subject country along with a list of known exporters/ producers.
- iv) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporters from subject countries as mentioned below in accordance with the rule 6(4):-
 - 1. GOLDLINK INDUSTRIES CO. LTD.,
17/F, 258, ZHONG SHAN ROAD,
WUXI, PEOPLES REPUBLIC OF CHINA
 - 2. DINOVHRM JISNH DU WUXI IMPORT EXPORT CORPORATION,
17/F, 258 ZHONG SHAN ROAD,
WUXI, PEOPLES REPUBLIC OF CHINA
 - 3. JIANGASU CHANGYU CHEMICAL CO., LTD.
ZHONGZHICHANG LEYU TOWN ZHANGJIAG CITY,
JIANGSU, 215621,
PEOPLES REPUBLIC OF CHINA.
- v) In response to the above notification no response has been received from any exporter from the subject country.
- vi) Questionnaires were sent to known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, only one response has been received from one importer of the subject goods i.e. M/s Apex Dyes and Intermediates. Comments of the importer and other interested parties to the extent they are relevant to the case, have been taken into consideration in this finding.
- vii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations;
- viii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

- ix) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- x) A Public hearing was held on 12th July 2005 to provide an opportunity to the interested parties to make oral submissions before the Authority. The views and arguments of the interested parties reproduced in writing has been taken on record and addressed at appropriately.
- xi) The Authority issued disclosure statements to all interested parties to this investigation on 6th October 2005 intimating the essential facts under consideration by the Authority as well as methodology of determination proposed to be adopted by the Authority, and calling for the comments of the interested parties to the said disclosure. However, the Authority notes that only the domestic industry has filed its comments to the disclosure statement. Comments of the domestic industry to the disclosure statement, to the extent they are relevant, have been considered by the Authority in this finding
- (xii) Investigation was carried out for the period starting from 1.4.2003 to 31.3.2004 (POI).
- xiv) The Authority examined the confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them. The information which by nature confidential or which have been provided on a confidential basis by the interested parties alongwith non-confidential summary thereof have been treated confidential. *** in this Notification represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;

C. Product under Consideration

3. The product involved is an organic chemical i.e. 1-Phenyl-3-Methyl-5-Pyrazolone, (hereinafter termed as the subject good) used in dye and pharmaceutical industry for manufacture of Analgin, Solvent Dyes and Pigment Dyes, and Pigment Orange 13. The product is classified under Chapter 29 of Customs Tariff Act and sub heading 29331920. However, the product is allegedly imported under several other heads at six digit level including the following: 293319, 291634, 291739, 292429, 293311, 293359, 294200 and 980200. The Customs and ITC HS classifications are however, indicative only are in no way binding on the scope of the present investigation.

D. Like Article

4. In terms of Article 2.6 of the Agreement the term "like product" ("product similaire") shall be interpreted to mean a product which is identical, i.e. alike in all respects to the product under consideration, or in the absence of such a product, another product which, although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the product under consideration. The Authority notes that several pyrazolones are manufactured by the domestic industry including this specific pyrazolone. Therefore, for the purpose of determination of the domestic industry and standing the specific pyrazolone has been considered as the like article to the product manufactured by the domestic industry.

E. Domestic industry and standing

5. The application has been filed by M/s Prima Chemicals and Polygon Chemicals, Ahmedabad. Standing of the applicants to file the application has been examined in terms of the Rule 5 of the said Rules. Since there are no other known producer of this product having substantial production of the subject goods and no comments or opposition has been received from any interested parties, the Authority holds that the applicants command a major proportion of domestic production of the products involved and therefore, satisfy the criteria of standing as domestic industry to file this application in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules.

F. Views of Interested parties and issues raised

6. The Authority notes that none of the exporters, importers (except M/s. Apex Dyes and Intermediates), and users of the subject goods have filed any response or submitted any comments on initiation of the above investigation. M/s. Apex Dyes and Intermediates has filed an importer questionnaire and submitted that they are not the regular importer of the subject goods.

7. The domestic industry in its submission has argued that the product under consideration is produced in very limited countries in the world. It has also been submitted that the technology for production is also not widely and easily accessible. Therefore, it makes business sense for those holding significant unutilized capacities to attempt to get the third country producers out of business in order to gain monopoly. They have argued that this explains dramatic fall in the prices in respect of imports from China. The domestic industry also contends that as per their information collected from the websites of Sinochem Tianjin and Anhui Bayi Chemicals Group co. Ltd., these Chinese producers are under state control. Therefore, the applicant has argued that they should be treated as operating under non-market economy and normal value in china is required to be determined in accordance with the provisions relating to non-market economy companies.

8. The Authority has taken note of the above submissions of the domestic industry and interested parties for the final findings.

G. Dumping determination

a) Normal Value

9. The Authority notes that no response has been received from any exporter of the subject goods from China PR. No information regarding the normal value of the subject goods in the subject country has been made available by any other interested party. The Authority also notes that non-market economy presumption has not been rebutted by any exporter from the subject country. Therefore, the Authority holds that the Chinese producers of the subject goods operate under non-market economy conditions and the normal value in China PR has been constructed in terms of Rule 7 of Annex I to the Rules.

10. The domestic industry has submitted that normal value cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information i.e. "comparable price in the ordinary course of trade for the like article when meant for consumption in such market economy third country" alongwith its cost of production and all other associated information are not reasonably available for the product under consideration. They have further argued that the product is produced in very limited countries in the World and as per their understanding India and China are the only producers of the product under consideration. Therefore, price from such third countries to India could not be adopted for the reason that such prices are influenced by the prices from subject countries and the volume of imports is too low. In view of the above, the domestic industry has argued that the normal value in the non-market economy exporting country should be determined on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product.

11. The Authority notes that import of the subject goods from China PR constitutes almost 98% of total imports to India and therefore, there is no comparable price to determine the normal value in China on the basis of third country export price to India. The cost of production and prices of the subject goods in any third country is also not available to make an determination based on the first provision of Rule 7 referred above. Therefore, the Authority has constructed the normal value in China based on price actually paid or payable in India duly adjusted for a reasonable profit margin as per the said provision. Accordingly, the Normal value for Chinese exporters has been estimated as Rs ***** per Kg.

b) Export price

12. In the absence of any cooperation from the subject country the export price has been determined based on the CIF import price as per the import data available with the Authority. Based on the above data the net ex-works export price of the exports from China PR is proposed to be determined as Rs**** per Kg.

c) Dumping margin

13. The ex-works constructed normal value has been compared with the net ex-works export price to determine the dumping margin, which works out as follows:

	Rs/Kg
Constructed Normal Value	****
Export Price	****
Dumping Margin	****
DM %	37.46%

H. Injury and Causal Link Determination

14. The following are the essential facts before the Authority in respect of alleged injury to the domestic industry caused by dumped imports from China, which will form the basis for the final determination by the Authority. The Authority notes that no interested party has made any submission in respect of the injury claims of the domestic industry.

15. Having examined the degree and extent of dumping from China the Authority has examined the injury caused to the domestic industry, if any, and the causal link between the dumped imports and injury so suffered by the domestic industry. The Authority holds that the applicant Companies, i.e. M/s Prima Chemicals and M/s Polygon Chemicals, constitute major proportion of Indian production of the subject goods during the period of investigation. Therefore, for the purpose of injury determination the applicant companies have been held to constitute the domestic industry within the meaning of the Rules.

16. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a

significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

17. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

18. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under:

H.1 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market share

19. With regard to the volume of the dumped imports, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, in absolute terms or relative to production and consumption in India. As far as import volume is concerned the DGCIS import data as well as import data reported in secondary sources i.e. IBIS have been examined. The Authority notes that the product under consideration is imported under product classification No 293319 at 6-digit level and the same classification also covers several other pyrazolones. Therefore, after comparing the transaction level data of both the sources and pruning unrelated imports the volume of imports have been determined as follows:

a) Actual and potential increase in Volume of imports

Particulars	Qty in Kgs			
	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Imports from China	19850	105000	84903	280061.5
Trend	100	528.97	427.72	1410.89
Imports from other sources	0	0	14	600
Total Imports	19850	105000	84917	280661.5
Trend	100	528.97	427.79	1413.91

20. The above data indicates that the dumped imports from the subject country account for almost 100% of the total import of the subject goods into India and the imports have grown in absolute terms by 1400% compared to the base year.

b) Demand, Output and Market shares

i) Production and Capacity Utilization of the Domestic Industry

Particulars	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Capacity	540000	540000	540000	540000
Indexed	100	100	100	100
Total Production	****	****	****	****
Indexed	100	100	125	100
Plant utilization	****	****	****	****
Indexed	100	100	125	100
Production-PUC	****	****	****	****
Indexed	100	83	91	74

21. The Authority notes that the domestic industry produces several pyrazolones in the same plant and therefore, for the plant utilization total production of the plants has been taken into account. The above data indicates that capacity of the domestic industry has not increased. However, total production and capacity utilization of the domestic industry has declined significantly after showing an improvement in the year 2002-03. But the production of the subject goods has been constantly declining compared to the base year.

ii) Sales of Domestic Industry

22. The production of the domestic industry has been examined with reference to the demand in the domestic market and the ability of the domestic industry to sell in the domestic market, which is shown below.

Qty in Kgs

Particulars	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Domestic Sales of DI	****	****	****	****
Trend	100	82	95	77
Imports	****	****	****	****
Trend	100	529	428	1414
Demand	****	****	****	****
Trend	100	112	118	166
Export Sales of DI	****	****	****	****
Indexed	100	153	0	0

23. The data indicates that while the demand of the product has increased by 66% compared to the base year, the sales of the domestic industry has declined by 23% and imports of the subject goods (out of which dumped imports from China accounts for about 98%) has grown by about 1400%.

iii) Demand and Market Share

Particulars	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Domestic Demand	****	****	****	****
Trend	100	112	118	166
Dumped Imports	19850	105000	84903	280062
Trend	100	529	428	1411
Share of dumped imports in total imports	100%	100%	99.98%	99.79%
Market Share in Demand (%)				
Domestic Industry	****	****	****	****
Trend	100	73.41	81.11	46.32
Dumped Imports	****	****	****	****
Trend	100	471	364	848

24. The above data indicates that the market share of the dumped imports has increased from 6.68% in the base year, to 56.69% in the POI, while the domestic industry has lost significant market share from 93% in the base year to 43% in the POI.

H.2 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry**(i) Price undercutting and underselling effects**

25. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry (worked out after normating the costing information of the Domestic Industry) have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

Particulars	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Cost of production	****	****	****	****
Trend	100.00	101.43	108.14	113.96
Net Sales Realization	****	****	****	****
Trend	100.00	100.42	100.029	99.35
Landed Value	****	****	****	****
Trend	100	112.008	105.2591	83.76
Price Undercutting				35 to 45%
NIP				****
Price Underselling				35 to 45%

Rs/Kg

26. While the cost of production of the subject goods shows a **significant rise** compared to the base year, the selling price (net sales realization) of the domestic industry shows a marginal decline.

27. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S transaction wise data of import prices from the subject countries. The landed value of imports from the subject country shows significant decline after increase in the year 2001-02.

28. The prices of the dumped imports from the subject country undercut and undersell the prices of the domestic industry and price undercutting and underselling is positive and significant.

(ii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

29. The price suppression effects of the dumped imports have also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

30. The above table shows that the landed value of goods from the subject country has significantly declined compared to the base year while the cost of production of the subject goods shows substantial increase compared to the base year. But the selling price shows marginal decline in spite of increase in cost of production. The above data indicates that the dumped imports have suppressing effect on the prices of the domestic industry, as the domestic industry has not been able to raise its prices to accommodate rising cost of production.

H.3 Examination of other Injury Parameters

31. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern, with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed as follows:

i) Productivity

Particulars		2000-01	2001-02	2002-03	POI
No of employee	Numbers	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	100	94	119
Productivity per Employee	KG	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	83	97	62

32. The above data shows that the productivity per employee has declined. However, the decline is also due to increase in the number of employees while the production of the subject goods has been declining.

ii) Profits and actual and potential effects on the cash flow

33. The Authority examined the cost of production of the domestic industry on the basis of their cost records for the product involved. The sales realization was also examined from their sales records. Accordingly, the profitability of the domestic industry has been examined as under.

Rs/Kg

Particulars		2000-01	2001-02	2002-03	POI
Cost of production		****	****	****	****
Trend		100	101.43	108.14	113.96
Net Sales Realization		****	****	****	****
Trend		100	100.42	100.029	99.35
Profit/Loss		****	****	****	****
Trend		100	74.8	-103.1	-266.8

34. The above data indicates that the cost of production of the domestic industry has shown an upward trend compared to the base year. However, the sales realization of the domestic industry has marginally declined, resulting in decline in the profit margin of the domestic industry and the domestic industry has recorded significant loss in its domestic operation coinciding with the dumping from China PR

iii) Employment and wages.

Particulars		2000-01	2001-02	2002-03	POI
No. of Employee (Domestic Industry)	Nos.	****	****	****	****
Trend		100	100	94	119
Wages (Domestic industry)	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend		100	96	92	103

35. Employment and wages as indicator of injury shows that the number of employees as well as, expenses on account of salary and wages have increased in spite of decline in the production level.

iv) Return on Investment and ability to raise capital

Particulars		2000-01	2001-02	2002-03	POI
P B I T (Domestic Industry)	Rs. Lacs	****	****	****	****
Indexed		100.00	104.97	-0.06	-55.95
Capital Employed - NFA	Rs. Lacs	****	****	****	****
Indexed		100.00	109.93	131.68	115.75
Return on Capital Employed	%	****	****	****	****
Indexed		100.00	95.49	-0.04	-48.34

36. The return on capital employed by the domestic industry shows deterioration compared to the base year and the return on capital employed has become negative during the POI.

v) Investment

37. There has been no capacity addition or any fresh investment by the applicants during the investigation period.

vi) Magnitude of Dumping

38. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can injure the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject country, is substantial for the POI.

vii) Factors affecting prices

39. Change in cost structure, competition in the domestic market and prices of other sources have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. There is no viable substitute to this product and there is no other viable domestic producer of the subject good in India to provide domestic competition and affect the prices of the domestic industry. No other factor that could have affected the prices of the domestic industry has been brought to the notice of the Authority.

viii) Inventories

Particulars		2000-01	2001-02	2002-03	POI
Inventories					
Domestic industry	KG	****	****	****	****

Trend		Indexed	100	0	69	125
Inventory as % of sales			1.30%		0.95%	2.11%

40. The inventory position of the domestic industry shows marginal increase in the inventory level, both in absolute terms and as a percentage of sales.

H.4 Other Known factors and Causal Link

41. Having examined the volume and price effects of dumped imports from the subject country as well as other dumped sources, other factors that may have affected the performance of the domestic industry, have been examined as mandated under Article 3.5 of ADA to find if other factors if any, other than dumped imports have caused injury to the domestic industry. In this connection the following parameters have been examined:

i) Volume and prices of imports from other sources

42. The Authority notes that imports from the subject country accounts for more than 98% of the total imports of the subject goods to India. Therefore, volume and price of imports from sources other than the subject country does not have any effect on the domestic industry.

ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

43. The data on domestic consumption of the product shows a significant growth. Therefore, contraction in demand or consumption factor could not have affected the domestic industry.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

44. The Authority notes that the applicants are the only viable producers of the subject goods in India. Therefore, domestic competition does not have any adverse effect on the prices of the domestic industry. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Major portion of the imports of the subject goods takes place from the dumped sources, including the subject country. Other exporting countries do not have substantial market share in Indian market to effectively compete. Therefore, the current injury to the domestic industry cannot be attributed to trade restrictive practices or competition between foreign and domestic producers.

iv) Development of technology and export performance

45. There is no significant technological issue involved in the production of the subject goods. The domestic producers do not have any export of the subject goods in POI and the previous year. Therefore, technology or export

performance of the domestic industry does not have any effect on the performance of the domestic industry.

H.5 Conclusion on Injury and Causal Links

46. Examination of the above factors indicate that

- a) Imports of the subject goods from subject country have increased manifold. Rate of increase in imports from subject country was significantly higher than increase in demand, resulting in increase in market share of dumped imports. As a consequence, share of the domestic industry declined.
- b) Sales and production of the domestic industry have declined resulting in loss of market share of the domestic industry and thus resulting in increased inventory. Further, petitioners are not able to increase their sales as a result of imports, even when both sufficient demand and capacity exist in the Country
- c) The prices of the domestic industry declined despite increase in the prices of raw materials. As a result of significant price undercutting, the domestic industry was forced to sell the product at sub-optimal prices. This resulted in adverse performance in terms of profitability, cash flow, and return on investment.
- d) No other factor such as volume and value of imports not sold at dumping prices, contraction in demand, changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology, export performance do not show injury.

H.6 NIP, Magnitude of Injury and Injury margin

47. The non-injurious price of the domestic industry has been determined taking into account normated cost of production and a reasonable profit for the domestic industry and the NIP so determined is compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject country and the injury margin have been estimated as follows:

Country	NIP	Weighted Landed Value	Average	Injury Margin	Rs/Kg
					Injury Margin %
China PR	*****	*****		*****	35 to 45%

I. Conclusions

48. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding the authority concludes that:

- i) The subject good has entered the Indian market from the subject country at prices less than their normal values in the domestic markets of the exporting country;
- ii) The domestic industry has suffered material injury;
- iii) And the injury has been caused to the domestic industry both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

J. Indian industry's interest & other issues

49. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

K. Recommendations

50. The Authority initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having established positive dumping margin against the subject country, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports, the Authority is of the opinion that definitive measure is required to be imposed to offset dumping and injury being caused to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive antidumping duty in the form and manner prescribed below.

51. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the duty table annexed herewith is recommended to be imposed by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)		
1	293319, 291634, 291739, 292429, 293311, 293359, 294200, 980200	1-Phenyl-3-Methyl-5-Pyrazolone	NIL	China PR	Any	Any.	Any	1.218	KG	US\$
2	-DO-	1-Phenyl-3-Methyl-5-Pyrazolone	NIL	Any	China PR	Any	Any	1.218	KG	US\$

L. Further Procedures

52. An appeal against the order of the Central Government arising out of this determination shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

53. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party within the time schedules stipulated for this purpose.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority